

कोयला खान के कर्मकारों की
ग्रेव्यूटी

44. श्री प्यारेलाल खंडेलवाल : क्या
ऊर्जा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार को इस आशय की कोई शिकायत मिली है कि वेस्टर्न कोलफील्ड्स के अंतर्गत चिरमिरी खान के प्रबंधक श्रमिकों की ग्रेव्यूटी की राशि में धांधली कर रहे हैं ;

(ख) यदि हां, तो इसका ब्यौरा क्या है और शिकायत पर क्या कार्यवाही की जा रही है ; और

(ग) क्या इसी प्रकार की शिकायत शहडोल और सरगुजा जिलों में स्थित सभी कोयला खदानों के श्रमिकों द्वारा की गई है ?

ऊर्जा मंत्रालय के कोयला विभाग में राज्य मंत्री (श्री दलबीर सिंह) : (क) से (ग) सूचना एकत्र की जा रही है और सभा पटल पर रख दी जाएगी ।

वेस्टर्न कोलफील्ड्स में चिरमिरी
कोयला खानों में पेय जल की सुविधाएँ

45. श्री प्यारेलाल खंडेलवाल :
क्या ऊर्जा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि चिरमिरी और झगराखान खानों (वेस्टर्न कोलफील्ड्स) में पेय जल की उचित व्यवस्था नहीं है ;

(ख) क्या चिरमिरी कोयला खदान हेतु प्रस्तावित तलफली प्रोजेक्ट का काम शुरू हो गया है, यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं ; और

(ग) कटकाना कोलरी में अभी तक पेय जल की समुचित व्यवस्था न करने के क्या कारण हैं ?

ऊर्जा मंत्रालय के कोयला विभाग में राज्य मंत्री (श्री दलबीर सिंह) :

(क) चिरिमिरी और झगराखंड क्षेत्रों में अस्थायी जलपूर्ति स्कीमें हैं और अधिकांश खानों में प्रेशर फिल्टर हैं। इसके अलावा चिरिमिरी क्षेत्र की कोरिया खान में एक "रेपिड ग्रेविटी फिल्टर" है।

(ख) चिरिमिरी क्षेत्र के लिए एकीकृत जलपूर्ति स्कीम पर कार्य मध्य प्रदेश की सरकार द्वारा शुरू किया गया है और जल के स्रोत के रूप में तलफली नाला लिया गया है। विस्तृत अन्वेषण और सर्वेक्षण किए जा रहे हैं। वास्तविक निर्माण कार्य वर्ष 1984-85 में शुरू होने की संभावना है।

(ग) काटकोना कोलियरी में प्रेशर फिल्टरों के माध्यम से जलपूर्ति की व्यवस्था है ।

Central Coalfields Limited

46. SHRI ASHWANI KUMAR: Will the Minister of ENERGY be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the Central Coalfields Limited (formerly, National Coal Development Corporation) had been running in losses and during the first 23 years of its existence it incurred a cumulative loss of over 36 crores;

(b) whether it is also a fact that the Central Coalfields Limited with an equity of 78 crores only wiped out the entire cumulative loss of Rs. 36 crores in just one year, i.e. 1979-80 and thereafter earned profit of 78 crores in 1980-81, Rs. 117 crores in 1981-82 with a projected profit of Rs. 145 crores in 1982-83 aggregating to Rs. 376 crores under the Chairmanship of Dr. B. L. Wadehra; and